अब ड्रोन से की जाएगी तेंदुओं और वन्य प्राणियों की निगरानी

▸ अब कम हो जाएगा मानव और वन्यजीव में टकराव

नव भारत न्यूज

इंदौर. देवगुराड़िया हिल्स के पास तेंदुए की सक्रियता दिखाई देने के बाद वन विभाग ने इलाके में चौकसी बढ़ा दी है. विभाग अब रात के समय थर्मल ड्रोन की मदद से वन्य प्राणियों की हरकतों पर निगरानी रखने की तैयारी कर रहा है, ताकि मानव और वन्यजीव के टकराव को समय रहते रोका जा सके.

10 दिसंबर की रात देवगुराड़िया हिल्स क्षेत्र में तेंदुआ दिखाई देने के बाद वन विभाग ने गश्त बढ़ाते हुए पूरे इलाके की सतर्कता बढ़ा दी है. मामले में डीएफओ प्रदीप मिश्रा ने बताया कि देवगुराड़िया और रालामंडल का पहाड़ी इलाका वर्षों से तेंदुओं का प्राकृतिक मार्ग रहा है, लेकिन तेजी से बढ़ता शहरी विस्तार और नई कॉलोनियों के कारण अब वन्यजीवों के रास्ते सिमट रहे हैं. तेंदुए के मानव बस्तियों के पास आने की बड़ी वजह खुले में फेंका जा रहा कचरा है. इस कचरे पर निर्भर आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ जाती है और तेंदुए इन्हीं का पीछा करते हुए रिहायशी इलाकों तक पहुंच जाते हैं. इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बस्तियां भी मानव वन्यजीव संपर्क को बढ़ा रही हैं.

मिश्रा के अनुसार, वन विभाग ने आसपास के नागरिकों से अपील की है कि वे खुले में भोजन या कचरा न फेंकें, रात में बाहर कम निकलें और आवारा कुत्तों के अधिक संख्या वाले स्थानों की सूचना विभाग को दें. आने वाले दिनों में भी इलाके में गश्त जारी रहेगी. 12 दिसंबर को अभ्यास के अगले चरण में हिरण और अन्य शाकाहारी प्रजातियों की संख्या, उनके भोजन क्षेत्र और आवासीय हालात का आकलन किया जाएगा. इंदौर में तैयार हो रहा यह चेतावनी मॉडल आने वाले समय में उन शहरों के लिए भी उपयोगी हो सकता है, जहां मानव-तेंदुआ संपर्क बढ़ रहा है.

दो स्तरों पर किया जा रहा काम...

मिश्रा ने यह भी बताया कि पिछले वर्षों में हुए रेस्क्यू अभियान भी इसी समस्या की ओर संकेत करते हैं. समस्या के समाधान के लिए विभाग दो स्तरों पर काम कर रहा है. पहला नगर निगम के साथ मिलकर कचरा साफ कराने और आवारा कुत्तों की संख्या कम करने की कार्रवाई. दूसरा थर्मल ड्रोन आधारित चेतावनी प्रणाली विकसित करना. इसके तहत रात के समय ड्रोन से तेंदुए की चाल पर नजर रखी जाएगी, उनके मार्ग का नक्शा तैयार किया जाएगा और संवेदनशील क्षेत्रों को पहचानकर समय रहते अलर्ट जारी किया जाएगा. उन्होंने बताया कि फील्ड स्टाफ को प्री एआईटीई अभ्यास के दौरान पगचिन्ह पहचानने, जहां ताजे पुराने निशानों का अंतर समझने, शिकार स्थल की जांच और सभी महत्वपूर्ण जानकारियों को एम स्ट्राइप्स प्रणाली में दर्ज करने का प्रशिक्षण दिया गया है. वहीं, तेंदुआ, सियार, लकड़बग्गा, जंगली बिल्ली और भेड़िये के पगमार्क में अंतर पहचानने का अभ्यास भी कराया जा रहा है.

इंदौर के जंगलों में बाघ गणना से पहले दो दिवसीय मॉक ड्रिल शुरू

▸ वन विभाग ने गणना को लेकर तेज कीं तैयारियां

नव भारत न्यूज

इंदौर. 18 दिसंबर से शुरू होने वाली बाघ गणना से पहले वन विभाग ने इंदौर वनमंडल की सभी 102 बीटों में दो दिवसीय मॉक ड्रिल शुरू कर दी है. जिसके चलते पहले दिन मांसाहारी और दूसरे दिन शाकाहारी वन्यजीवों की उपस्थिति का आकलन किया जाएगा.

इंदौर में हर चार साल में होने वाली बाघ गणना को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं. इसी सिलसिले में गुरुवार से वन विभाग ने रालामंडल, उमरीखेड़ा ईको पार्क, चोरल, महू और मानपुर सहित पूरे वनमंडल में मॉक ड्रिल की शुरुआत की. तड़के सुबह सूरज निकलने से पहले ही 200 से अधिक बीट गार्डों, वनकर्मियों और अधिकारियों की टीम जंगलों में उतर गई. वनमंडलाधिकारी ने बताया कि इंदौर वनमंडल का क्षेत्र लगभग 700 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जहां विभिन्न प्रकार के शाकाहारी और मांसाहारी वन्यजीव निवास करते हैं. कुछ प्रजातियां यहां स्थायी रूप से रहती हैं, जबकि कुछ जंगल की सीमा पार कर मौसम और परिस्थिति के अनुसार इधर-उधर विचरण करती हैं. मॉक ड्रिल के पहले दिन प्रत्येक बीट में दल लगभग पांच वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में घूमकर प्रमाण जुटाते रहे. इसमें पेड़ों पर पंजों की खरोंच, मिट्टी में पदचिह्न, मल, शिकार के अवशेष और अन्य संकेतों के फोटो लेकर दस्तावेजीकरण किया. शुक्रवार को इसी प्रक्रिया को शाकाहारी जीवों के लिए दोहराया जाएगा.

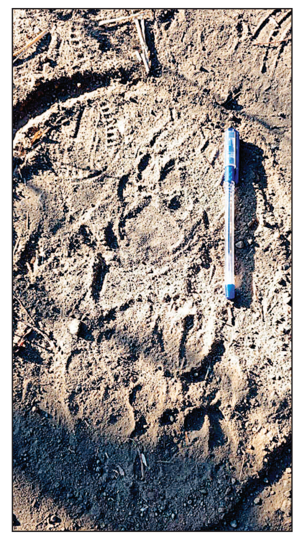

कनाड़िया क्षेत्र में ड्रोन से हो रही निगरानी

इंदौर. कनाडिया थाना क्षेत्र में चाइनीज मांजे की बिक्री और उपयोग पर रोक लगाने के लिए पुलिस ने इस बार तकनीक का सहारा लिया. प्रदेश में पहली बार सर्विलेंस और सार्वजनिक घोषणा करने वाले ड्रोन की मदद से जागरूकता अभियान चलाया. थाना प्रभारी सहर्ष यादव ने बताया कि ग्राम कनाडिया, संचार नगर, वैभव नगर और आलोक नगर में ड्रोन के जरिए गली मोहल्लों में लोगों और बच्चों को चाइनीज मांजे के खतरों के बारे में जानकारी दी गई. ड्रोन से लगातार अनाउंसमेंट किए गए कि इस मांजे से इंसानों, पक्षियों और दोपहिया चालकों को गंभीर चोटें लगती हैं. पुलिस ने चेतावनी दी कि चाइनीज मांजा बेचने या उपयोग करने वाले व्यक्तियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. अभियान का उद्देश्य आगामी त्योहारों और पतंगबाजी के मौसम में दुर्घटनाओं को रोकना और लोगों को सुरक्षित सामग्री के उपयोग के लिए प्रेरित करना है.

गुरुवार को फिर हुईं 10 उड़ानें रद्द कम नहीं हो रही यात्रियों की मुसीबत

नव भारत न्यूज

इंदौर. देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल पर उड़ान संकट गुरूवार को भी कम नहीं हुआ. आज इंडिगो एयरलाइंस ने 10 उड़ानें रद्द कर दीं, जिससे सुबह से ही यात्रियों में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही. इन रद्द उड़ानों में दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु की उड़ानें शामिल हैं.

एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि क्रू की कमी के चलते गुरूवार को भी बड़ी संख्या में उड़ानें संचालित नहीं हो सकीं. कंपनी की ओर से प्रभावित यात्रियों को टिकट राशि लौटाने और अन्य उड़ानों में समायोजित करने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन उड़ानों के लगातार रद्द होने के कारण यात्रियों को बेहद परेशानी हो रही है. इससे एक दिन पहले बुधवार को भी इंडिगो की 10 उड़ानें रद्द हुई थीं. इसी बीच स्टार एयर ने भी इंदौर-गोंदिया और इंदौर- अहमदाबाद मार्ग पर अपनी सभी चार उड़ानें बंद कर दीं. लगातार दूसरे दिन उड़ानें न चलने से इन मार्गों के यात्रियों को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ा. यात्रियों का कहना है कि बिना पूर्व जानकारी के उड़ानें रद्द होने से यात्रा कार्यक्रम गड़बड़ा रहे हैं. वहीं, एयरलाइन कंपनियां स्थिति सामान्य करने के लिए प्रयासरत होने की बात कह रही हैं.

एक नजर में

कटे हाथ वाले वयस्कों को मिलेगा मुफ्त कृत्रिम हाथ

इंदौर. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और इनाली फाउंडेशन की मिली-जुली पहल के तहत अब जिले में 18 वर्ष से अधिक आयु वाले उन हितग्राहियों को नि:शुल्क आर्टिफिशियल लिंब उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनका हाथ कोहनी के नीचे से कटा हुआ है या नहीं है. मुख्य जिला एवं स्वास्थ्य अधिकारी माधव हसानी ने बताया कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे सभी पात्र व्यक्तियों से अपील की है कि वे अपना पंजीयन जल्द से जल्द करवाएं. लाभार्थियों को कृत्रिम हाथ प्रोस्थेटिक आर्टिफिशियल लिंब पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे. इसके लिए संबंधित व्यक्ति की फोटो, आधार कार्ड, पता और मोबाइल नंबर जमा करना अनिवार्य रहेगा. पंजीयन आशा कार्यकर्ता के माध्यम से या सीधे जिला चिकित्सालय परिसर स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र में कराया जा सकता है. इच्छुक लोग 25 दिसंबर 2025 से पहले आवश्यक दस्तावेज जमा कराएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ मिल सके.

शहर के 14 शातिर बदमाशों को किया जिलाबदर

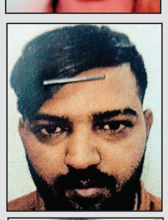

इंदौर. कानून-व्यवस्था मजबूत रखने की मुहिम में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने एक साथ 14 सक्रिय बदमाशों पर सख्त कदम उठाए हैं. पांच कुख्यातों को छह माह के लिए शहर व सीमावर्ती जिलों की सीमा से बाहर किया, जबकि नौ अन्य को निर्धारित अवधि तक थाने में हाजरी देने का पाबंद किया है. शासन पक्ष की पैरवी कर रहे एडीपीओ अजय प्रताप सिंह बुंदेला ने बताया कि शहर के चारों जोन से आए प्रतिवेदनों की जांच के बाद पुलिस कमिश्नर ने पांच आदतन अपराधियों को रासुका के तहत छह माह के लिए जिलाबदर कर दिया. इनमें आरिफ उर्फ काट-डालू बेग निवासी जल्ला कॉलोनी, थाना खजराना, दिलीप बकावले निवासी सुंदर नगर, थाना एमआईजी, राजा उर्फ कचोरी श्रीवास नंदानगर, थाना परदेशीपुरा, कान्हा उर्फ मोहित जरिया आशीष नगर, थाना तेजाजी नगर और रोहन उर्फ पॉपकॉर्न कदम टापू नगर, थाना परदेशीपुरा शामिल हैं. इन पांचों पर शहर के विभिन्न थानों में कई गंभीर अपराध दर्ज हैं और लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे है. इनकी बढ़ती हरकतों पर रोक लगाने के लिए तैयार प्रतिवेदन पर विचार करने के बाद उन्हें इंदौर नगरीय देहात व आस-पास के जिलों की सीमा से छह माह तक निष्कासित कर दिया है. पुलिस कमिश्नर ने नौ अन्य आदतन अपराधियों को विभिन्न शर्तों के साथ थाना हाजरी के भी आदेश दिए हैं. देकर एक वर्ष के लिए थाना हाजरी के लिए पाबंद किए गए बदमाशों में गोलू उर्फ गुलरेज निवासी वाटर पंप, थाना आजाद नगर, रोहित उर्फ कालू गोविंद नगर, थाना बाणगंगा, सागर उर्फ छोटू इंद्रा आवास, थाना गांधी नगर और मोहक उर्फ मोनू जनता क्वार्टर परदेशीपुरा, हाल स्कीम 78, थाना लसूड़िया शामिल हैं. वहीं, छह माह की अवधि के लिए हाजरी शर्तों में गोलू उर्फ अकबर, गब्बर उर्फ राजेश चिकना, लाल उर्फ रंजन, विजय उर्फ राजू और अजीजुद्दीन शामिल है.

बाइक सवार युवक को रोककर मारपीट

इंदौर. एरोड्रम थाना क्षेत्र में देर रात एक युवक को चलते वाहन पर रोककर हमला करने की कोशिश का मामला दर्ज हुआ है. स्पोर्ट्स बाइक पर सवार दो बदमाशों ने न सिर्फ थप्पड़ मारा बल्कि बाइक रुकवाने के लिए उसकी शर्ट भी पकड़ ली .विरोध करने पर आरोपी धमकाते हुए फरार हो गए. पीड़ित आदित्य खतवाशे निवासी नंदननगर ने पुलिस को की अपनी शिकायत में बताया कि वह सिटी स्कूल के पास कालका माता मंदिर रोड से गुजर रहा था. इसी दौरान सामने आई स्पोर्ट्स बाइक नंबर एमपी 09 एक्यू 5079 पर बैठे दो युवकों में से एक ने चलती बाइक पर अचानक उसे जोर से थप्पड़ मारा, जिससे वह कुछ देर के लिए संभल नहीं पाया. इसके बाद बदमाशों ने उसकी बाइक रुकवाने का प्रयास किया और शर्ट खींचते हुए जेब तक फाड़ दी. आदित्य के चिल्लाने पर दोनों आरोपी मौके से भाग निकले. पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. पुलिस बाइक नंबर के आधार पर तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान निकालने में जुटी है.

सतपुड़ा परिसर में दिनदहाड़े आभूषण और नकदी चुराई

इंदौर. गांधी नगर थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने बंद घर को दिनदहाड़े निशाना बनाकर अलमारी तोड़ी और सोने चांदी के जेवरों के साथ नकदी ले उड़े. पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है. ब्लॉक बी 2, फ्लैट नंबर 502 सतपुड़ा परिसर, बड़ा बांगड़दा रोड निवासी 64 वर्षीय सुनील शैन्द्रे ने थाने में शिकायत की है कि किसी अज्ञात बदमाश ने उनके घर का ताला तोडक़र अंदर घुसा और अलमारी का लॉक तोडक़र उसमें रखे पुराने इस्तेमाल के सोने चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली. शाम को घर लौटने पर घटना का पता चला, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी. गांधीनगर पुलिस अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है.

नन्ही अनिका के इलाज के लिए आगे आए 'बिग बॉस'

▸ बिग बॉस की आवाज मशहूर वॉइस आर्टिस्ट विजय विक्रम सिंह ने की मदद की अपील

नव भारत न्यूज

इंदौर. गंभीर बीमारी से जूझ रही इंदौर की छोटी बच्ची अनिका शर्मा के इलाज में सहयोग के लिए मशहूर वॉइस आर्टिस्ट विजय विक्रम सिंह ने जनता से विशेष अपील की है.

ज्ञात हो कि इंदौर की मासूम अनिका शर्मा दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है और उसका इलाज काफी महंगा है. परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है और बच्ची का इलाज कराने में असमर्थ है. इसी बीच लोकप्रिय टीवी रियलिटी शो बिग बॉस की आवाज बन चुके वॉइस आर्टिस्ट विजय विक्रम सिंह ने आगे बढ़कर अनिका की मदद का संदेश साझा किया है. उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से अपील करते हुए कहा है कि बच्ची को समय पर इलाज मिल सके, इसके लिए सभी सक्षम लोग आगे आएं और परिवार का हाथ थामें. अनिका की स्थिति और इलाज की जरूरतों को देखते हुए कई स्थानीय सामाजिक संगठन भी सक्रिय हो गए हैं.

लोन दिलाने के नाम पर बीजेपी नेता से 52 लाख की ठगी

▸ बैंक अधिकारी बनकर पिता-पुत्र ने लोन दिलवाया और रकम हड़प ली

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरानगर थाना क्षेत्र में पिता-पुत्र और एक सराफा व्यापारी ने मदर लेंड स्कूल केसंचालक और बीजेपी नेता को कम ब्याज पर नया लोन दिलाने का भरोसा देकर स्कूल के दस्तावेज और चेक हासिल कर लगभग 52 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर फरार हो गए. पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है.

जानकारी के अनुसार मदर लैंड स्कूल के संचालक और भाजपा नेता सुरजीत सिंह बालिया के परिवार ने एलआईजी क्षेत्र स्थित निजी बैंक से 2022 में 85 लाख रुपए का लोन लिया था. वर्षों से किस्तें नियमित जमा हो रही थीं. इसी दौरान भगवान सिंह भदौरिया और उसका बेटा गोपाल भदौरिया कुछ समय पहले स्कूल संचालक सुरजीत सिंह के संपर्क में आए. उनसे सुरजीत ने बताया कि स्कूल के लोन पर ज्यादा ब्याज लग रहा है, तो आरोपी पिता ने कहा कि उसका बेटा गोपाल बैंक ऑफ महिंद्रा की शाखा में असिस्टेंट मैनेजर है. वह कम ब्याज पर नया लोन दिलवा सकता है. इस पर बालिया सहमत हो गए. इस पर आरोपी बेटे ने स्कूल से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेज और चेक अपने पास रख लिए और नया ओवरड्राफ्ट (ओडी लिमिट) जारी होने की बात कहकर उन्हें विश्वास में ले लिया. उसने यह भी कहा कि पुराना लोन बंद करके नया लोन कम ब्याज दर पर समायोजित कर दिया जाएगा. बाद में 5 लाख रुपए तुरंत भुगतान की मांग भी की.

▸ बैंक से वसूली नोटिस पहुंचने पर पता चला ठगी का

नई प्रक्रिया का भरोसा देकर वह दस्तावेज और चेक लेकर गायब हो गए, कुछ समय बाद पुराने लोन की ईएमआई संबंधी संदेश आना बंद हो गए, जिससे परिवार को लगा कि ओडी लोन जारी हो चुका है. लेकिन बैंक से वसूली नोटिस पहुंचा तो पता चला कि पुराना लोन बंद ही नहीं हुआ है. जांच में सामने आया कि लोन की रकम में से 47 लाख रुपए शिवम सोनी नामक ज्वेलर्स संचालक के करंट अकाउंट में ट्रांसफर किए हैं. आरोप है कि तीनों ने साजिश कर पूरी राशि का उपयोग अन्य संपत्तियां खरीदने में किया. कई बार संपर्क की कोशिश नाकाम होने पर पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर पुलिस ने पिता-पुत्र और सराफा व्यापारी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. तीनों आरोपी फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है.

रियल स्टेट कंपनी ने सरकार के पास बंधक संपत्ति बेची

▸ ईओडब्ल्यू ने डीएचएल इन्फ्राबुल्स के तीन डायरेक्टर पर किया केस दर्ज
▸ इंदौर में बिना अनुमति के 15 बंधक प्लॉट दूसरे को बेचे
▸ बड़े स्तर पर धोखाधड़ी की आशंका

इंदौर. आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने इंदौर की एक रियल एस्टेट कंपनी पर शासन के पास बंधक रखी संपत्तियों को अवैध रूप से बेचने के मामले में गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है. जांच में पता चला कि कंपनी ने नियम तोड़कर कई प्लॉट अन्य लोगों के नाम कर दिए.

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू की गई थी. जांच में सामने आया कि कंपनी ने कॉलोनी सेल इंदौर में कुल 249 प्लॉट बंधक रखे थे, जिनमें आइकॉनस लैंडमार्क 01 और 02 प्रोजेक्ट के भूखंड शामिल थे. नियमों के अनुसार, ऐसे प्लॉटों का स्वामित्व शासन के पास रहता है और उन्हें तभी बेचा जा सकता है, जब उन्हें विधिवत मुक्त कराया जाए और कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त हो.

बिना अनुमति बेच दिए 15 प्लॉट...

जांच में पाया गया कि कंपनी ने इन बंधक प्लॉटों में से बिना अनुमति 15 प्लॉट बेच दिए और उनकी रजिस्ट्री भी कर दी. कंपनी ने न तो प्लॉट मुक्त कराए गए और न ही अपर कलेक्टर कार्यालय से कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र लिया. इस वजह से खरीदारों को भी भारी नुकसान की आशंका है. ईओडब्ल्यू ने कंपनी से जुड़े तीन संचालकों संतोष कुमार सिंह, संजीव जायसवाल, अनिरुद्ध देव सहित अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. ईओडब्ल्यू अधिकारियों का कहना है कि जांच जारी है और मामले में और भी अनियमितताएं सामने आने की संभावना है.

नौकर ने ही उड़ाए थे सेठ के मोबाइल और कैश

▸ खरीदार व्यापारी ने खोला राज, आरोपी से चार फोन बरामद, दो दिन के रिमांड पर

नव भारत न्यूज

इंदौर. एमजी रोड क्षेत्र में मोबाइल दुकान के नौकर ने ही सेठ की गैरहाजिरी का फायदा उठाकर कैश और मोबाइल पार कर दिए. चोरी का खुलासा तब हुआ, जब जिन लोगों को वह मोबाइल बेचकर गया था, उनमें से एक व्यापारी ने दुकान मालिक को इसकी जानकारी दी.

थाना प्रभारी विजय सिंह सिसौदिया ने बताया कि डॉलर मार्केट में नितिन जैन की मोबाइल दुकान पर कमल राजकुमार पेशवानी उम्र 30 साल निवासी लक्ष्मी अपार्टमेंट, राजमहल कॉलोनी नौकरी करता था. आरोप है कि पेशवानी ने दुकान से 1 लाख 34 हजार रुपए नकद और चार मोबाइल गायब कर दिए. वहीं चार मोबाइल उसने पास की ही दुकान के व्यापारी लखन चौहान को 35 हजार रुपए में बेच दिए थे. चौहान की मुलाकात जब जैन से हुई, तो उसने तुरंत बताया कि उनके ही कर्मचारी ने मोबाइल बेचे हैं. इस पर जैन ने दुकान का रिकॉर्ड खंगाला, जिसमें कैश की कमी और मोबाइलों की गुमशुदगी साफ दिखाई दी.

खुद के मोबाइल ने खोल दिया राज...

नितिन जैन की शिकायत पर एमजी रोड पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर सहायक उपनिरीक्षक जबसिंह यादव को कार्रवाई के निर्देश दिए थे, पेशवानी को बयान के लिए बुलाया तो वह दुकान मालिक पर ही उल्टा आरोप लगाने लगा, लेकिन उसके मोबाइल ने ही राज खोल दिया. मोबाइल गैलरी में मिली ऑडियो रिकॉर्डिंग में वह चोरी करना स्वीकार करता हुआ मिला. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर चारों मोबाइल जब्त कर लिए हैं. नकदी की बरामदगी के लिए कोर्ट ने दो दिन का रिमांड दिया है. रकम नहीं मिली तो रिमांड बढ़ाने की मांग की जाएगी.

एक नजर में ▸ जनसुनवाई में पहुंचे लोगों की गुहार सुनकर कलेक्टर ने की तत्काल कार्रवाई

पब सील होने से राहत की सांस ली स्कीम 78 के रहवासियों ने

इंदौर. यह कहना पूरी तरह से गलत नहीं होगा कि जब से शहर में पब खुले हैं, शहर की फिजा बिगाडऩे में पब कल्चर का भी हाथ होना सामने आया है. शहर में जगह-जगह खुले इन पब सेंटरों के खिलाफ लोगों ने कई बार ज्ञापन देकर विरोध जताया, लेकिन जिम्मेदारों द्वारा उसे अनसुना किया गया. लेकिन, हाल ही में पहली बार कलेक्टर द्वारा लोगों की शिकायत पर एक पब को सील करने की कार्रवाई की गई है, जिसका लोगों ने स्वागत किया है.

मामला स्कीम नंबर 78 का है. इस रहवासी क्षेत्र में इनसाईड नाम से पब संचालित हो रहा था, जहां देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाया जा जाता था. उसकी तेज ध्वनी से रहवासी परेशान हो रहे थे और छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में समस्या हो रही थी. नशे में धुत लडक़े-लड़कियां सडक़ों पर हुड़दंग मचाते और अपशब्द कहते थे, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब होने की आशंका बढ़ रही थी. सडक़ों पर ही नशा करना और गुंडा गर्दी करने से क्षेत्र में डर का माहौल बन चुका था. शाम के बाद महिलाएं और लड़कियों का बाहर निकलना भी दूभर हो चला था. इन समस्याओं को लेकर समाजसेवी राहुल निहोरे के साथ 50 से अधिक क्षेत्रवासी मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर शिवम वर्मा को आवेदन दिया. इस पर कलेक्टर ने तुरंत जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए. कलेक्टर के निर्देश पर की गई जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर पब को सील कर दिया गया. इस कार्रवाई से रहवासियों में जहां खुशी है, वहीं प्रशासन के प्रति विश्वास भी बढ़ा है. अब सवाल यह उठता है कि अधिकारियों द्वारा रहवासी क्षेत्र में पब संचालन की अनुमति कैसे दे दी गई, क्या अब उन पर भी कोई कार्रवाई होगी.

▸ यह बोले रहवासी...

ओपन टेरिस पब संचालित था, शाम से देर रात तक तेज ध्वनी में डीजे बजता था, बच्चे पढ़ाई भी नहीं कर पा रहे थे. कार्रवाई से खुशी हुई और प्रॉपर साल्युशन हुआ. हम दोबारा कलेक्टर से मिलकर उन्हें धन्यवाद देंगे.

- लता तिवारी

आस-पास 500 परिवार निवास कर रहे हैं. पिछले ढेड़ वर्ष से रहवासी इस समस्या से जूझ रहे थे. अति होने पर ही हमने जनसुनवाई में गुहार लगाई थी. इस पर ठोस कार्रवाई होने पर हम कलेक्टर शिवम वर्मा का आभार व्यक्त करते हैं.

- नीरू परिहार

इस पब के कारण कई लोग अपना मकान बेचने को मजबूर हो गए, हार्ट पेशेंट दूसरी जगह शिफ्ट हो गए. डीजे की इतनी तेज ध्वनि होती थी कि घर के बर्तन हिलते थे. लसुड़िया, विजयनगर दो थानों के होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही थी, तब हम कलेक्टर के समक्ष पहुंचे.

चेनसिंह परिहार,
उपाध्यक्ष, रहवासी संघ